भंवरिया के नौ देवी मंदिरों में देवी का साक्षातवास है, अति प्राचीन है यह स्थान

ईफराज कुरैशी, कुक्षी। धार जिले की कुक्षी तहसील के निसरपुर विकासखण्ड के ग्राम भवरिया में श्री गौड़ सेहरा ब्राह्मण समाज की कुलदेवियों का अतिसुंदर, हराभरा, विशाल मंदिर परिसर है। सदियों पुरानी मूर्तियां यहां की अति प्राचीन विरासत है। खण्डवा बड़ौदा स्टेट हाईवे पर मुख्य मार्ग के निकट यह सम्मोहक स्थली है। ब्राह्मण समाज द्वारा यहां गगनचुंबी गुम्बद के साथ नए मंदिरो का निमार्ण कराया है साथ ही प्राचीन देवी प्रतिमाओं के साथ नई मूर्तियों की भी स्थापना की है। माना जाता है कि ग्राम भवरिया कभी वैभवशाली और विकसित स्थान रहा है इसीलिए इसे भवरगढ़ कहा भी जाता है। इस गांव में अति प्राचीन दक्षिण मुखी गणेश जी का मंदिर है इस स्थान को सिद्ध स्थान माना जाता है। भवरिया में सास्वत गोरिया बाबा का भी मेन रोड़ के पास मंदिर है। कुलदेवी मंदिर परिसर में एक ही मण्डप में नौ देवियों के मन्दिर बने हैं। मां कनकेश्वरी देवी, मां वागीश्वरी देवी, मां चामुंडा देवी, मां विध्यवासिनी देवी, मां सर्वमंगला मयलाज देवी,मां एकवीरा देवी, मां जगदंबा देवी, मां बिजासन देवी, मां योगेश्वरी देवी के मंदिर है। वहीं गणेशजी, नर्मदेश्वर शिवालय व भैरवजी के मंदिर भी यहां है। श्री गौड़ सेहरा ब्राह्मण समाज द्वारा यहां वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम एवं आयोजन किए जाते है जिनमें चारों नवरात्री पर देवी पाठ हवन, कन्याभोज, आदि प्रमुख आयोजनों के साथ कई कार्यक्रम किए जाते है।नवरात्रि में यहां प्रतिदिन विभिन्न अनुष्ठान हो रहे है। अष्टमी-नवमी पर विशेष आयोजन होते है। नवमी के दिन देवी पाठ का विराम, हवन, पूणाहुति, महाआरती, कन्याभोज आदि आयोजन होते है महाष्टमी पर हवन प्रारंभ होता है। मंदिर परिसर में सैकड़ों वर्ष पुराना मां कनेश्वरी देवी का अति प्राचीन मंदिर है, जो पत्थरों से बना हुआ है। यहां नर्मदा परिक्रमावासियों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था है । मान्यता है कि माताजी के इस प्राचीन सिद्ध स्थान पर भक्तों की मनोकामनाएं देवी मां पूर्ण करती है। यह मनोरम स्थान वर्तमान में सभी के आकर्षण और आस्था का केन्द्र बना हुआ है।

15 अक्टूबर को भव्य शक्ति व शस्त्र पूजा, सकल हिन्दू समाज व संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आहवान

नागदा जं. निप्रं नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर में सनातन संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली इतिहास को सहेजने के उद्देश्य से सकल हिन्दू सामाजिक समिति, नागदा के तत्वावधान में सर्व हिन्दू समाज का एक विशाल एवं भव्य शक्ति पूजा शस्त्र एवं शास्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक बजरंग चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह गरिमामय आयोजन आगामी 15 अक्टूबर, गुरुवार को दोपहर 2 से 4 बजे तक जवाहर मार्ग स्थित माहेश्वरी धर्मशाला, नागदा में संपन्न होगा। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए नगर के सामाजिक संगठन एवं नागरिकों को आमंत्रण दिए जा रहे हैं। राष्ट्र व संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुटता का संदेश कार्यक्रम संयोजक बजरंग चौहान एवं सकल हिन्दू सामाजिक समिति ने नगर के समस्त हिन्दू समाज, युवाओं, विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं एवं मातृशक्ति से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सामूहिक पूजनोत्सव में सम्मिलित हों। शस्त्र से राष्ट्र की रक्षा होती है और शास्त्र से हमारी संस्कृति व सनातन मूल्यों का संरक्षण होता है।ष् इसी पावन भावना के साथ सम्पूर्ण समाज को संगठित करने एवं धर्म-संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस वृहद पूजन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों ने सर्व समाज एवं समस्त सामाजिक संगठनों से विशेष आग्रह किया है कि वे समय पर उपस्थित होकर पूजन विधि में सहभागी बनें तथा कार्यक्रम को भव्यता प्रदान कर धर्म लाभ प्राप्त करें।

अग्रसेन जयंति पर निकली शोभा यात्रा, सांस्कृति आयोजन भी हुए

नागदा जं. निप्र। अग्रवाल समाज के आराध्य देव महाराज अग्रसेन जयंति महोत्सव समाजजनों द्वारा रविवार को धुमधाम से मनाया गया। इस मौके पर महाराज अग्रसेन का पूजन, आरती, शोभा यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम व महाप्रसादी का आयोजन हुआ। समस्त आयोजन समाज की धर्मशाला में हुआ। कार्यक्रम में बडी संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर एकता का परिचय दिया। शाम को प्रसादी वितरण कार्यक्रम में शहर के गणमान्य जनप्रतिनिधि तथा समाजसेवी भी शामिल हुए। सुबह पुजन व आरती हुई, शाम को शोभा यात्रा निकाली गई। जिसके बाद धर्मशाला पसिर में सांस्कृतिक कार्यकम हुए। शोभा यात्रा धर्मशाला परिसर से प्रारंभ हुई जो नगर के प्रमुख मार्ग पुराना बस स्टेण्ड, जवाहर मार्ग, किरण टॉकिज चौराहा, कन्याशाला चौराहा, एमजी रोड, तिलक मार्ग, रामसहाय मार्ग होते हुए पुनः धर्मशाला परिसर में पहुँची। शोभा यात्रा में अग्रसेन महाराज की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। जगह-जगह समाजिक संगठन व राजनेताओं ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे ंसमाज के नन्हे-नन्हें बच्चों द्वारा प्रस्तुती दी गई। इस अवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केमिकल उद्योग के युनिट हेड मनीष गर्ग, विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश धाकड, पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत, हिन्दु जागरण मंच के प्रांतीय संयोजक भैरूलाल टाक आदि उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से समाज अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, सचिव दीपक गर्ग, कोषाध्यक्ष मुकेश मोहता की भूमिका रही।

19 नवंबर तक मध्यम एवं भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित, निर्धारित मार्गों से होगा डायवर्जन

नवरात्रि मेले एवं दुर्गा उत्सव के दौरान यातायात व्यवस्था रहेगी प्रभावी

धार। श्री कालिका माता शारदेय नवरात्रि मेले का आयोजन कालिका देवी मंदिर प्रांगण, धार में किया जाएगा। इस अवधि में नगर के विभिन्न स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना के साथ पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गरबा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। कालिका माता मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शनार्थियों, महिलाओं, बच्चों तथा श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही को देखते हुए यातायात पुलिस, धार द्वारा आम नागरिकों की सुविधा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात के सुचारु संचालन के लिए यातायात एडवाइजरी जारी की गई है। यह यातायात व्यवस्था 19 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी।

मध्यम एवं भारी वाहनों का होगा डायवर्जन-यातायात एडवाइजरी के अनुसार, मध्यम एवं भारी वाहनों को राजनंदिनी तिराहा, मतलबपुरा तिराहा, घोड़ा चौपाटी एवं श्याम ढाबा से निर्धारित मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। इस अवधि में सभी प्रकार के मध्यम एवं भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वाहन चालकों को निर्धारित डायवर्जन मार्गों का उपयोग करना होगा। मेला क्षेत्र एवं भीड़भाड़ वाले मार्गों पर इन वाहनों का अनावश्यक प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

देवीजी मंदिर एवं मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध-कालिका माता मंदिर एवं मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोपहिया वाहनों की पार्किंग आम के पेड़ एवं पाटीदार स्कूल के पास निर्धारित की गई है। मतलबपुरा से नित्यानंद आश्रम, देवीजी मंदिर प्रांगण एवं पाटीदार स्कूल तक दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। केवल आवश्यक सेवाओं एवं आपातकालीन वाहनों को परिस्थितियों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही अपने वाहन खड़े करें तथा वहां से पैदल मंदिर एवं मेला परिसर तक पहुंचें। मंदिर एवं मेला क्षेत्र के प्रवेश मार्गों पर वाहन खड़ा करना, सड़क पर पार्किंग करना तथा यातायात बाधित करना प्रतिबंधित रहेगा।

हटवाड़ा एवं छत्री तिराहा क्षेत्र में विशेष यातायात व्यवस्था-हटवाड़ा एवं छत्री तिराहा क्षेत्र में मुख्य मार्गों और अन्य मार्गों के मिलन स्थल होने के कारण यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है। भीड़ एवं यातायात के दबाव के अनुसार वाहनों को नियंत्रित कर निकाला जाएगा, जिससे मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित न हो। इन क्षेत्रों में दुकानदारों एवं वाहन चालकों को निर्देशित किया गया है कि वे सड़क पर सामान रखकर, ठेले लगाकर अथवा अनधिकृत रूप से वाहन खड़े कर यातायात बाधित न करें। आवागमन के लिए सड़क का निर्धारित हिस्सा खुला रखें। आवश्यकता के अनुसार अस्थायी नो-पार्किंग व्यवस्था लागू की जाएगी। तिराहे पर अनावश्यक रूप से वाहन रोकने, सड़क के बीच वाहन खड़ा करने तथा गलत दिशा में वाहन चलाने पर प्रतिबंध रहेगा।

भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात पुलिस द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा। तिराहे के आसपास पार्किंग नहीं करने तथा पैदल यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स एवं संकेतक बोर्डों का पालन करना अनिवार्य होगा। यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे यथासंभव पैदल, सार्वजनिक परिवहन अथवा निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग कर मंदिर एवं मेला परिसर तक पहुंचें। वाहन चालक निर्धारित डायवर्जन मार्गों एवं पार्किंग व्यवस्था का पालन करें। सड़क पर वाहन खड़ा कर पूजा सामग्री खरीदने अथवा दर्शनार्थियों को उतारने या बैठाने से बचें। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें और निर्धारित गति सीमा का पालन करें। एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं को प्राथमिकता से रास्ता दें। यातायात संबंधी किसी भी असुविधा की स्थिति में मौके पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों से सहयोग प्राप्त करें। यातायात पुलिस थाना, जिला धार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यातायात प्रतिबंध एवं डायवर्जन की व्यवस्था मौके की स्थिति, भीड़ तथा प्रशासनिक निर्देशों के अनुसार आवश्यकतानुसार परिवर्तित की जा सकती है। पुलिस प्रशासन ने सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से श्री कालिका माता शारदेय नवरात्रि मेले एवं दुर्गा उत्सव के दौरान जारी यातायात एडवाइजरी का पालन करने तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

यह मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र, नवरात्रि पर भी श्रद्धालुओं का तांता लगता है

भंवरिया के नौ देवी मंदिरों में देवी का साक्षातवास है, अति प्राचीन है यह स्थान

निसरपुर (विशाल गुप्ता)। धार जिले की कुक्षी तहसील के निसरपुर विकासखण्ड के ग्राम भवरिया में श्री गौड़ सेहरा ब्राह्मण समाज की कुलदेवियों का अतिसुंदर, हराभरा, विशाल मंदिर परिसर है। सदियों पुरानी मूर्तियां यहां की अति प्राचीन विरासत है। खण्डवा बड़ौदा स्टेट हाईवे पर मुख्य मार्ग के निकट यह सम्मोहक स्थली है। ब्राह्मण समाज द्वारा यहां गगनचुंबी गुम्बद के साथ नए मंदिरो का निमार्ण कराया है साथ ही प्राचीन देवी प्रतिमाओं के साथ नई मूर्तियों की भी स्थापना की है। माना जाता है कि ग्राम भवरिया कभी वैभवशाली और विकसित स्थान रहा है इसीलिए इसे भवरगढ़ कहा भी जाता है। इस गांव में अति प्राचीन दक्षिण मुखी गणेश जी का मंदिर है इस स्थान को सिद्ध स्थान माना जाता है। भवरिया में सास्वत गोरिया बाबा का भी

मेन रोड़ के पास मंदिर है। कुलदेवी मंदिर परिसर में एक ही मण्डप में नौ देवियों के मन्दिर बने हैं। मां कनकेश्वरी देवी, मां वागीश्वरी देवी, मां चामुंडा देवी, मां विध्यवासिनी देवी, मां सर्वमंगला मयलाज देवी,मां एकवीरा देवी, मां जगदंबा देवी, मां बिजासन देवी, मां योगेश्वरी देवी के मंदिर है। वहीं गणेशजी, नर्मदेश्वर शिवालय व भैरवजी के मंदिर भी यहां है। श्री गौड़ सेहरा ब्राह्मण समाज द्वारा यहां वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम एवं आयोजन किए जाते है जिनमें चारों नवरात्री पर देवी पाठ हवन, कन्याभोज, आदि प्रमुख आयोजनों के साथ कई कार्यक्रम किए जाते है।नवरात्रि में यहां प्रतिदिन विभिन्न अनुष्ठान हो रहे है। अष्टमी-नवमी पर विशेष आयोजन होते है। नवमी के दिन देवी पाठ का विराम, हवन, पूणाहुति, महाआरती, कन्याभोज आदि आयोजन होते है महाष्टमी पर हवन प्रारंभ होता है। मंदिर परिसर में सैकड़ों वर्ष पुराना मां कनेश्वरी देवी का अति प्राचीन मंदिर है, जो पत्थरों से बना हुआ है। यहां नर्मदा परिक्रमावासियों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था है । मान्यता है कि माताजी के इस प्राचीन सिद्ध स्थान पर भक्तों की मनोकामनाएं देवी मां पूर्ण करती है। यह मनोरम स्थान वर्तमान में सभी के आकर्षण और आस्था का केन्द्र बना हुआ है।

51 वाहनों के काफिले के साथ मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन को रवाना हुए श्रद्धालु, नागदा में हुआ स्वागत

नवरात्रि पर पांचाल समाज की धार्मिक यात्रा का भव्य शुभारंभ

नागदा जं. निप्र। नवरात्रि के प्रथम दिवस पर श्री विश्वकर्मा समाज के अनुयायी पांचाल समाज के तत्वावधान में भव्य धार्मिक यात्रा का शुभारंभ उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना एवं दर्शन के पश्चात हुआ। यात्रा राजस्थान के बांसवाड़ा स्थित मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर पहुंचेगी। लगभग 51 वाहनों के काफिले में सैकड़ों समाजजन, महिलाएं एवं बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यात्रा में भगवान श्री विश्वकर्मा जी का रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

नागदा नगर भ्रमण के दौरान श्रीराम कॉलोनी स्थित विश्वकर्मा मंदिर चौराहे पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट एवं सर्व विश्वकर्मा समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में भगवान श्री विश्वकर्मा जी एवं मां त्रिपुरा सुंदरी की पूजा-अर्चना कर यात्रियों का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर कैलाश सनोलिया, रामचंद्र विश्वकर्मा, गोवर्धन विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, महेश चौहान, विजय झाला, रमेश चंद्र विश्वकर्मा, विनय राज शर्मा, तुलसीराम जांगिड़, बद्रीलाल लोहार, पंडित दीपक रावल सहित समाजजन उपस्थित रहे।भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव, उज्जैन संभाग अध्यक्ष मुकेश विश्वकर्मा, प्रदेश मंत्री मनीष गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन, जिला अध्यक्ष प्रमोद जैन एवं नागदा नगर अध्यक्ष सुनील त्रिवेदी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। उक्त जानकारी सुनील सिंह यादव एवं श्री विश्वकर्मा सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मुकेश विश्वकर्मा ने दी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सिमरोल आंगनवाड़ी में सहायिकाओं का सम्मान, बच्चों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

नागदा जं. निप्र। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सिमरोल स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सहायिकाओं का स्वागत कर उनके कार्यो के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि लखन गुर्जर, मंडल अध्यक्ष, पिछड़ा मोर्चा नागदा एवं अध्यक्ष, लायन्स क्लब नागदा गोल्ड उपस्थित थे।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र में आने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों को पेंसिल, कॉपी, कलर, रबर, शार्पनर एवं चॉकलेट वितरित की गई। उपहार एवं शैक्षणिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही आंगनवाड़ी सहायिकाओं के योगदान को सम्मान देना रहा। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान से जुड़े सदस्यों ने कहा कि बच्चों की मुस्कान ही सबसे बड़ी खुशी है। समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग पहुंचाना और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाना ही अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा ही संकल्प, जनकल्याण ही लक्ष्य का संदेश दिया गया।

नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र के किसानों की आवाज उठाते हुए

नागदा जं. निप्र। नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर आचार्य गुरु श्री धर्मेश महाराज ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों का तत्काल आकलन कराने तथा प्रभावित किसानों को राहत उपलब्ध कराने की मांग की है। धर्मेश महाराज ने कहा कि किसान पूरे वर्ष मेहनत करके अपनी फसल तैयार करता है। जब प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण उनकी फसल प्रभावित होती है, तो उसका असर केवल खेत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे किसान परिवार की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। ऐसे समय में किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और उन्हें समय पर राहत दिलाना आवश्यक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र के गांवों में राजस्व एवं कृषि विभाग के माध्यम से फसलों की वास्तविक स्थिति का सर्वेक्षण कराया जाए। जहां निर्धारित मानकों के अनुसार सूखे अथवा फसल नुकसान की स्थिति पाई जाती है, वहां नियमानुसार सूखाग्रस्त घोषित करने तथा पात्र किसानों को मुआवजा, फसल बीमा और अन्य सरकारी सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाए। धर्मेश महाराज ने कहा कि किसानों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रशासन गांवों तक पहुंचे, किसानों की बात सुने और वास्तविक स्थिति के आधार पर राहत की प्रक्रिया पूरी करे। उन्होंने कहा, किसान की पीड़ा किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता है। किसानों के अधिकारों और उनकी आजीविका से जुड़े मुद्दों को उठाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मेरा प्रयास है कि नागदादृखाचरौद क्षेत्र के किसानों की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचे और उन्हें नियमानुसार राहत मिल सके। धर्मेश महाराज ने मुख्यमंत्री एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

विश्व युवा मंडल 40 वर्षों से करा रहा पारंपरिक गरबा, बालिकाओं को नि :शुल्क दिया जा रहा प्रशिक्षण

भक्ति और उल्लास के साथ मनाया नवरात्रि का प्रथम दिवस, प्रेम मंदिर की थीम पर सजा मां का दरबार

नागदा जं. निप्र। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर किरण टॉकीज चौराहा स्थित विश्व युवा मंडल के गरबा आयोजन में भक्ति, उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। मां दुर्गा की आराधना और विशेष पूजन के साथ पारंपरिक गरबा की शुरुआत हुई। इस वर्ष वृंदावन के प्रसिद्ध प्रेम मंदिर की थीम पर आकर्षक पंडाल सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

विश्व युवा मंडल द्वारा पिछले 40 वर्षों से पारंपरिक गरबा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की विशेषता यह है कि बालिकाओं को पारंपरिक गरबा की बारीकियां सिखाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाएं नियमित अभ्यास के माध्यम से गरबा की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं और पूरे उत्साह के साथ आयोजन में भाग ले रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 35 वर्षों से आयोजन से जुड़े-विश्व युवा मंडल के राजेश धाकड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पिछले करीब 35 वर्षों से नवरात्रि के नौ दिनों में से किसी एक दिन आयोजन में शामिल होते रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद पिछले दो वर्षों से वे वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ते रहे हैं। यह आयोजन वर्षों से शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। नवरात्रि के नौ दिनों तक विशेष पूजन, पारंपरिक गरबा और आकर्षक पंडाल के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजन को लेकर युवाओं और मातृशक्ति में खासा उत्साह है तथा प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है।

मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित-इस वर्ष आकर्षण का केंद्र भजन गायिका खुशबू जी भोजक मुंबई द्वारा शानदार गरबा भजनों की प्रस्तुति दी जा रही है। इस अवसर पर विश्व युवा मंडल के अध्यक्ष राजकुमार मोहता सहित शरद जैन, मुकेश जैन, मनीष कारिया, रूपेश गेलड़ा, सुभाष सेंगर, संतोष राठौर, दीपक केरवार, मनीष धाकड़, मनीष पोरवाल, श्याम प्रजापत, पुरण पोरवाल, सुमित तंवर, दीपक धाकड़, दिलीप जैन, उमेश जगताप, दिनेश सेठिया, अशोक कुमावत, ईश्वर सिसोदिया, रवि पोरवाल, अनिल धाकड़ सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं युवा साथी उपस्थित रहे।